भारी उद्योग मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्देश्वर प्रसाद) : (क) भारी इंजीनियरिंग निगम का उत्पादन स्तर निर्धारित क्षमता का 33 प्रतिशत है।

(ख) सामान्यत: भारी इंजीनियरिंग निगम की निर्माण सूची में सम्मिलित उपकरणों के आयात की अनुमति नहीं दी जाती है परन्तु यदि ग्राहकों की मांगें अत्यावश्यक हों और भारी इंजीनियरी निगम कार्यक्रम के अनुसार माल देने की स्थिति में न हो तो अपवाद रूप में आयात की अनुमति दे दी जाती है।

(ग) भारी इंजीनियरी निगम में उत्पादन बढ़ाने हेतु शुरू किए गए महत्वपूर्ण उपायों, में प्रोत्साहन कई पारियों में काम करना, उत्पादन आयोजन और नियंत्रण, माल को संभालने और रख-रखाव कार्यों में सुधार करना और प्रबन्ध को सशक्त बनाना है।

Shifting of Naval Training School from Visakhapatnam to Chilka Coast

4244. SHRI M. RAM GOPAL REDDY: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government have decided to shift Naval Training School from Visakhapatnam to the Chilka Coast; and

(b) if so, the reasons thereof?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Amenities to Construction Department of Dandakaranya Project

4245. SHRI HUKAM CHAND KACHWAI: Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether the construction department of Dandakaranya Project has not provided link roads, latrines, electricity and water supply to the staff quarters in Umerkote, Malkangiri, Pakhanjore Zones of Dandakaranya Project; and

(b) if so, how many such quarters are there zone-wise and when the above amenities will be provided?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI RAGHUNATHA REDDY): (a) and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

पांच वर्ष की सेवा वाले अस्थायी कर्मचारी

4246. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय में ऐसे अस्थायी कर्मचारियों की संख्या कितनी है जो विगत पांच वर्षों से काम कर रहे है; और

(ख) इन कर्मचारियों को नियमित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सुबोध हंसदा) : (क) पांच इस्पात विभाग में और पांच खान विभाग में।